PROFIT ADVERTISERS (INDIA) Pvt. Ltd.

	PRESS CLIPPING				
Client	Agrovision [3rd Day]				
Publication	Lokmat Samachar				
Language	Hindi	Place	Nagpur	Date	14/11/16

एग्रोविजन किसानों के लिए मार्गदर्शक

नागपुर । 13 नवंबर। लोस सेवा

रेशमबाग मैदान में आयोजित एग्रोविजन राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी किसानों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है. विभिन्न राज्यों के किसान प्रदर्शनी में पहुंचकर नए संशोधन से तैयार किस्मों की जानकारी ले रहे हैं. प्रदर्शनी में शासकीय विभाग, लघु उद्योजक, कृषि विश्वविद्यालय, संशोधन संस्था और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के स्टॉल्स हैं. प्रत्येक स्टॉल्स पर किसानों के लिए उपयोगी जानकारी है. यह प्रदर्शनी सोमवार तक आयोजित की गई है.

लंबी चौला फली : एग्रोविजन प्रदर्शनी में आपको ढाई फीट लंबी चौला फली देखने को मिलेगी जापानी लाल दाना किस्म की लंबी चौला फली. विशेषज्ञ देवीदास चिकाटे ने बताया कि इस किस्म की फली का उत्पादन एक एकड़ में 400 से 500 क्विंटल तक होता है.

नागपुर जिले के अनेक किसानों ने इस किस्म को लगाया है. यह फली खाने में स्वादिष्ट है. इतनी लंबी चौला फली देखकर एग्रोविजन में आए अधिकांश किसानों ने इसकी जानकारी ली. यह चौला फली यानी आधुनिक तकनीकी ज्ञान से कृषि क्षेत्र में आई एक क्रांति का प्रतीक है.

चारा उत्पादन में क्रांति : कम समय में हरा चारा उत्पादन के लिए हाइड्रोपोनिक्स तकनीकी ज्ञान अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है. इस तकनीकी ज्ञान के कारण कम स्थान में, कम समय में व कम पानी में चारे का अच्छा उत्पादन हो रहा है.

वर्तमान में सूखे की स्थिति में इस तकनीक के कारण किसानों के चेहरे पर खुशी देखी जा रही है. एग्रोविजन में जिला परिषद नागपुर ने तकनीकी ज्ञान की जानकारी देने वाला एक स्टॉल लगाया है. पशुधन विकास अधिकारी डॉ. राणू कडू ने बताया कि इस तकनीक ज्ञान से मका, गेहूं, बार्ली, ओट आदि की फसल बढ़ाकर चारे का निर्माण किया जा सकता है. अधिकांश किसानों ने भी इसकी जानकारी ली.

एक किलो का सीताफल

जिन्हें सीताफल पसंद नहीं है, ऐसे व्यक्ति बहुत ही कम हैं. अधिकांश लोगों ने बचपन से सीताफल खाया है. इसीलिए हम सीताफल से अच्छी तरह परिचित हैं. दोनों हाथ में आ जाए ऐसा सीताफल हमने कभी नहीं देखा. हिंगणा तहसील के एक किसान ने संशोधित किस्म से खुद की मेहनत पर यह चमत्कार कर दिखाया है. उसके खेत में लगभग एक किलो या उससे भी ज्यादा वजनी सीताफल लगे हुए हैं. यह सीताफल 'एग्रोविजन' में आने वाले किसानों के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था. 'एग्रोविजन' में सीताफल का स्टॉल लगाया गया है. विट्ठलदास मनियार उस किसान का नाम है. वह मांडव घोराड का निवासी है. उसने इस सीताफल के बीज भी बेचने के लिए रखे हैं. अनेक किसान इन बीजों की खरीदारी कर रहे हैं.

बैंगन कर रहे आकर्षित

'एग्रोविजन' में ऐसे बैंगन भी हैं जो आपको आश्चर्यचकित कर सकते हैं. यह बैंगन लौकी और कद्दू के आकार के हैं. बैंगन जामुनी रंग का है. इस बैंगन का नाम इंजा बारको है. वर्धा जिले के आमगांव (तह. सेलू) के किसान अभय शिंगाड़े के खेत में इस बैंगन का उत्पादन हुआ है. इस बैंगन के उत्पादन से शिंगाड़े को अच्छा लाभ हुआ है. यह बैंगन एग्रोविजन में किसानों का ध्यान आकर्षित कर रहा है.

भरता के बैंगन अव्वल

संतरा उत्पादक किसानों को संपन्न माना जाता है. एक किसान को यह बिल्कुल भी मान्य नहीं है. उसने संतरे की अपेक्षा बैंगन को अव्वल माना है. इसके पीछे कारण भी है. इस किसान ने संतरे की मौसमी फसल और बाजार में मिलने वाले दाम ने धोखा दिया इसीलिए उसने बैंगन का उत्पादन लेना उचित समझा. एक बार जलगांव में आयोजित कृषि प्रदर्शनी में वह पहुंचा. वहां उसे भरता बनाने वाले स्वादिष्ट बैंगन की किस्म की जानकारी मिली. इस किस्म का उसने खुद के खेत में उत्पादन लिया. उसे अच्छा मुनाफा भी हुआ. बैंगन का उत्पादन लेने वाले इस किसान का नाम नितिन राऊत है. वह नरखेड़ तहसील का निवासी है.